अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

साकेत नगर, भोपाल (म.प्र.) 462020

Saket Nagar, Bhopal (M.P.) – 462020

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल की दिनांक 05.07.2023 को पूर्वाह्न 11.00 बजे आयोजित विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 22 वीं तिमाही बैठक का कार्यवृत्त

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल की विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक दिनांक 05.07.2023 को पूर्वाह्न 11.00 बजे प्रो. (डॉ.) अजय सिंह, कार्यपालक निदेशक, एम्स भोपाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई ।

बैठक में निम्नलिखित सदस्यों ने भाग लिया: –

क्रमांक	नाम	सदस्य
1.	प्रो. (डॉ.) अजय सिंह	अध्यक्ष
2.	कर्नल (डॉ.) अजीत कुमार	उपाध्यक्ष
3.	डॉ. राजेश मलिक	सदस्य
4.	डॉ. बालाकृष्णन एस	सदस्य
5.	डॉ. वैशाली वाल्के	सदस्य
6.	डॉ. जगत राकेश कंवर	सदस्य
7.	डॉ. जे. लक्ष्मी प्रसाद	सदस्य
8.	डॉ. अमित अग्रवाल	सदस्य
9.	डॉ. रेहान उल हक	सदस्य
10.	डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा	सदस्य
11.	डॉ. संतोष एल वाकोड़े	सदस्य
12.	डॉ. विशाल गुप्ता	सदस्य
13.	डॉ. राजेश कुमार पसरीचा	सदस्य
14.	डॉ. रूपिंदर कौर कंवर	सदस्य
15.	डॉ. पंकज गोयल	सदस्य
16.	डॉ. बर्था ए.डी. रथिनम्	सदस्य
17.	डॉ. बालकृष्णन एस.	सदस्य
18.	डॉ. अरुण एम. कोकने	सदस्य
19.	डॉ. ममता वर्मा	सदस्य
20.	डॉ. विकास गुप्ता	सदस्य
21.	डॉ. मनमोहन पटेल	सदस्य
22.	डॉ शशांक पुरवार	सदस्य
23.	डॉ. सूर्या बाली	सदस्य
24.	श्री मयंक कपूर	सदस्य सचिव
25.	श्री अमित शर्मा	सदस्य
26.	डॉ. दानिश जावेद	सदस्य
27.	श्री त्रिवेश गोस्वामी	सदस्य
28.	श्री अक्षवंत नंदकुमार पानसरे	सदस्य
29.	श्री अमन कुमार मेहता	सदस्य
30.	श्री हेमंत कुमार जायसवाल	सदस्य
31.	श्री शिवांक त्यागी	सदस्य
32.	श्री कृष्णा साव	सदस्य
33.	श्री प्रदीप नारोलिया	सदस्य
34.	श्री शिवम शर्मा	सदस्य

****

उल्लेखनीय है कि डॉ. विजेंद्र सिंह के स्थान पर डॉ. स्नेहिल गुप्ता एवं डॉ. जॉन आशुतोष संतोषी के स्थान पर डॉ. विट्ठल पुरी बैठक में शामिल हुए। समिति के अन्य सदस्य अवकाश पर होने / अपरिहार्य कारणों से बैठक में शामिल नहीं हो सके।

चर्चा के दौरान अध्यक्ष महोदय की स्वीकृति से निम्नलिखित निर्णय लिए गए :-

कार्यसूची सं.- 01 गत बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि :

सर्वप्रथम अध्यक्ष, वि.रा.का.स. की स्वीकृति से दिनांक 18.04.2023 को संपन्न विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई ।

कार्यसूची सं. 02 गत बैठक में लिए गए निर्णयों की अनुपालन रिपोर्टः

गत बैठक में लिए गए निर्णयों की अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए सलाहकार (राजभाषा) ने बताया कि पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर निम्नानुसार कार्रवाई की गई है:-

(i) सलाहकार (राजभाषा) द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि संस्थान में हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त / हिंदी में प्रवीणता प्राप्त कार्मिकों का हिंदी रोस्टर तैयार करने तथा हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कार्मिकों को संसदीय राजभाषा समिति के निर्देशानुसार हिंदी में प्रवीणता दिलाने के लिए संस्थान के विभिन्न विभागों से ऑनलाइन गूगल फॉर्म के माध्यम से अभी तक 532 नियमित कार्मिकों की जानकारी प्राप्त हुई है। जबकि संस्थान के 1. बाल शल्य चिकित्सा, 2. निदेशक सचिवालय 3.केंद्रीय पुस्तकालय 4. परीक्षा अनुभाग 5. अनुसंधान अनुभाग 6. सुरक्षा प्रकोष्ठ 7. हृदयरोग 8. त्वचाविज्ञान 9. एसटीडी और कुष्ठ रोग 10. अंतः स्त्रावि की और चयापचय (Endocrinology & Metabolism) 11. मेडिकल ऑन्कोलॉजी और हेमेटोलॉजी विभागों से जानकारी अप्राप्त है। साथ ही कुछ विभागों द्वारा भेजी गई जानकारी अपूर्ण है। अतः संपूर्ण जानकारी प्राप्त होने पर कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कार्मिकों को हिंदी में प्रवीणता हेतु प्रशिक्षित किए जाने संबंधी कार्रवाई की जाना है।

अध्यक्ष विराकास ने कहा कि बैठक में संपूर्ण जानकारी के अभाव में विभागाध्यक्षों के साथ हिंदी कार्य में हुई प्रगति पर सार्थक एवं उपयोगी चर्चा संभव नहीं हो पाती है । राजभाषा अनुभाग भविष्य में हिंदी की तिमाही बैठकों में तथ्यात्मक जानकारी तथा आवश्यक तैयारी के साथ उपस्थित हों, ताकि राजभाषा हिंदी के विभिन्न लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में विभागाध्यक्षों के साथ बैठक के दौरान प्रभावी विचार-विमर्श किया जा सके ।

अध्यक्ष विराकास द्वारा सभी विभागों से उक्त जानकारी निर्धारित समयावधि में प्राप्त करने के निर्देश दिए गए तथा सलाहकार (राजभाषा) को उन सभी विभागों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, जिनकी ओर से जानकारी नहीं भेजी गई है अथवा अधूरी जानकारी भेज दी गई है ।

(कार्रवाईःसमस्त विभागाध्यक्ष/राजभाषा अनुभाग)

(ii) सलाहकार राजभाषा द्वारा जानकारी दी गई कि पिछली बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन में संस्थान के चार विभागों में हिंदी कार्य में वृद्धि हेतु उपसमिति का गठन किया गया है। इस पर अध्यक्ष विराकस द्वारा निर्देश दिए गए कि सभी विभागों में उप समिति गठित करने के कार्य में अनावश्यक विलंब हो रहा है । साथ ही इस संबंध में पत्र भी अत्यधिक विलंब से जारी किए गए हैं । राजभाषा अनुभाग आवश्यक पहल करते हुए सभी विभागों में उपसमितियों का गठन शीघ्र सुनिश्चित करे। राजभाषा अनुभाग से केवल दिशा-निर्देश जारी किया जाना पर्याप्त नहीं है , बल्कि राजभाषा अनुभाग के अधिकारी स्वयं विभिन्न विभागों को राजभाषा हिंदी के कार्यों में उचित मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करें। अध्यक्ष विराकास ने कहा कि जिन विभागों में लक्ष्यों के अनुरूप अपेक्षित कार्य हिंदी में नहीं हो रहा है उनकी पहचान की जाए तथा उन विभागों की वास्तविक कठिनाईयों का निराकरण करते हुए उन्हे हिंदी कार्य हेतु प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया जाए।

(कार्रवाईःसमस्त विभागाध्यक्ष/राजभाषा अनुभाग)

(iii) सलाहकार (राजभाषा) द्वारा जानकारी दी गई कि संस्थान स्तर पर राजभाषा सम्मेलन के आयोजन की रूपरेखा शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत किया जाना प्रस्तावित है । **(कार्रवाईःराजभाषा अनुभाग)**

कार्यसूची सं. 03 वार्षिक कार्यक्रम 2023-24 के निर्धारित लक्ष्यों पर चर्चा ।

सलाहकार (राजभाषा) द्वारा जानकारी दी गई कि राजभाषा विभाग द्वारा जारी वर्ष 2023-24 के वार्षिक कार्यक्रम की प्रति दिनांक 07 जून, 2023 को इन्फो मेल के माध्यम से संस्थान के समस्त विभागाध्यक्ष/अधिकारियों /कर्मचारियों को भेज दी गई है। अध्यक्ष विराकास द्वारा वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के उद्देश्य से संस्थान के उन विभागों को चिह्नित करने के निर्देश दिए गए जहां हिंदी में कम कार्य हो रहा है और उन विभागों में हिंदी कार्य को बढ़ाया जाए। साथ ही वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों को निर्धारित समय सीमा के अंदर हासिल करने हेतु सभी संबंधितों को पुनः निर्देश जारी किए जाएं ताकि संस्थान में पत्राचार एवं फ़ाइलों पर टिप्पण हेतु निर्धारित लक्ष्यों को आसानी से हासिल किया जा सकता है। उन्होंने वार्षिक कार्यक्रम 2023-24 में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए अभी से प्रयास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए । **(कार्रवाईःसमस्त विभागाध्यक्ष/विभाग)**

कार्यसूची सं. 04 हिंदी पखवाड़ा 2023 के आयोजन पर चर्चा ।

सलाहकार राजभाषा द्वारा जानकारी दी गई कि राजभाषा विभाग द्वारा 14 एवं 15 सितंबर, 2023 को पुणे महाराष्ट्र में दो दिवसीय राजभाषा सम्मेलन के आयोजन को ध्यान में रखते हुए सभी कार्यालयों/संस्थानों में इस वर्ष भी हिंदी पखवाड़ा 14 से 29 सितंबर 2023 के दौरान आयोजित करने तथा संस्थान में प्रतियोगिताओं का आयोजन 16 से 29 सितंबर, 2023 के बीच करने के निर्देश हैं। अध्यक्ष विराकास द्वारा इस पर सहमति प्रदान करते हुए संस्थान में हिंदी पखवाड़ा हेतु आयोजन समिति के गठन के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई।

अध्यक्ष वि.रा.का.स. द्वारा बताया गया कि हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में कुछ प्रतियोगी बार-बार पुरस्कृत होते हैं, इससे हिंदी पखवाड़ा के आयोजन का उद्देश्य सफल नहीं होता। अतः एक प्रतियोगी को अधिकतम दो पुरस्कार की सीमा तय की जा सकती है। ताकि अधिक संख्या में नए प्रतियोगी भी पुरस्कृत/प्रोत्साहित हो सकें। उन्होंने ग्रुप ए, बी, सी के लिए अलग-अलग प्रतियोगिता के स्थान पर सभी अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए संयुक्त रूप से प्रतियोगिता आयोजित करने के निर्देश दिए।

समिति सदस्य श्री शिवांक त्यागी, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी द्वारा अधिक से अधिक प्रतिभागियों को पुरस्कृत करने हेतु अलग-अलग ग्रुप में प्रतियोगिताओं के आयोजन को जारी रखने के सुझाव पर अध्यक्ष वि.रा.का.स. द्वारा पुरस्कारों की संख्या बढ़ाते हुए अधिक से अधिक प्रतियोगियों को शामिल करने के निर्देश दिए गए। साथ ही राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को बढ़ाने तथा हिंदी पखवाड़ा को और व्यापक स्तर पर आयोजित करने के उद्देश्य से हिंदी पखवाड़ा 2023 के दौरान संस्थान के मेडिकल छात्रों एवं नर्सिंग छात्राओं को भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में शामिल करने के निर्देश दिए। इस संबंध में हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति आवश्यक रूपरेखा प्रस्तुत करेगी। **(कार्रवाईःराजभाषा अनुभाग/ हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति)**

कार्यसूची सं. 05 तिमाही प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा ।

तिमाही प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान कार्यपालक निदेशक द्वारा निर्देश दिए गए कि पत्राचार के लिए राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप हिंदी कार्य में वृद्धि हेतु सभी विभागों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अभी भी संस्थान के कुछ विभागों में हिंदी कार्य के प्रतिशत में वृद्धि अपेक्षित है । अध्यक्ष विराकास ने कहा कि उन्हें प्रस्तुत की जा रही कुछ विभागों की फाइलों में अभी भी अंग्रेजी नोटिंग होती है। अतः राजभाषा अनुभाग ऐसे विभागों को चिन्हित कर उन्हे हिंदी कार्य के लिए प्रोत्साहित करे। साथ ही किसी विभाग को यदि हिंदी कार्य में कोई कठिनाई है तो उनका त्वरित निराकरण राजभाषा अनुभाग द्वारा किया जाए। ताकि संस्थान के सभी विभागों में राजभाषा हिंदी के कार्यों में अपेक्षित वृद्धि हो सके तथा राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित विभिन्न लक्ष्यों को हासिल किया जा सके ।

(कार्रवाईःसमस्त विभागाध्यक्ष/राजभाषा अनुभाग)

कार्यसूची सं. 06 अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से:

(1) प्रो. राजेश मलिक, अधिष्ठाता (अकादमिक) द्वारा सुझाव दिया गया कि केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित केवल हिंदी पुस्तकों की प्रदर्शनी आयोजित की जाए अथवा पुस्तकालय में उपलब्ध हिंदी पुस्तकों की सूची सभी विभागाध्यक्षों को उपलब्ध करा दी जाए। ताकि संस्थान के विभिन्न विभागाध्यक्षों/विभाग प्रमुखों को विभिन्न विषयों की हिंदी पुस्तकों की जानकारी एक साथ उपलब्ध हो सके। डॉ. विकास गुप्ता, प्रभारी केंद्रीय पुस्तकालय समिति द्वारा जानकारी दी गई कि दिनांक 23 फरवरी, 2023 को संस्थान के केंद्रीय पुस्तकालय के स्थापना दिवस के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। अध्यक्ष महोदय द्वारा निर्देश दिए गए कि केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विभिन्न वेंडरों के पास उपलब्ध अलग-अलग विभागों से संबंधित विषयों की हिंदी पुस्तकों की प्रदर्शनी आयोजित करवाई जाए, ताकि संस्थान के विभिन्न विभागों को उनके विषय से संबंधित हिंदी पुस्तकों की समेकित जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सके।

(कार्रवाई:केंद्रीय पुस्तकालय विभाग/समस्त विभागाध्यक्ष)

(2) बैठक के अंत में उपनिदेशक (प्रशासन) ने बताया कि प्रशासन विभाग द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं । इसके सकारात्मक परिणाम भी मिल रहे हैं । उन्होंने कहा कि अभी भी संस्थान के कुछ विभागों में राजभाषा हिंदी का कार्य राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों से पीछे है। अतः सभी विभागों में राजभाषा हिंदी के कार्य में वृद्धि हेतु आवश्यक उपाय के साथ-साथ निम्न प्रयास भी सुनिश्चित किए जाए:-

- सभी विभागों से पत्रादि, सहित ई-मेल आदि भी हिंदी में भेजे जाएं। इससे हिंदी पत्राचार को बढ़ाने में मदद मिलेगी।
- संस्थान के सभी कार्मिक विशेष तौर पर वरिष्ठ अधिकारीगण अपने हस्ताक्षर हिंदी करने के प्रयास करें। इससे हमारे सहयोगी भी हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं ।

(3) विभागों को हिंदी कार्य हेतु प्रोत्साहन:

बैठक के दौरान विराकास के सदस्य, डॉ. बालकृष्णन एस. द्वारा सुझाव दिया गया कि हमारे विभाग में राजभाषा हिंदी के कार्य की स्थिति काफी बेहतर है और यह राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप भी है परंतु जिन विभागों में राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में बेहतर कार्य हो रहा है उन विभागों के कार्यों का अवलोकन अथवा उन्हें सम्मानित या प्रोत्साहित करने का प्रावधान होना चाहिए। इस सुझाव पर कार्यपालक निदेशक द्वारा अपना अधिकांश कार्य हिंदी में करने वाले विभागों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए ।

(4) सलाहकार (राजभाषा) द्वारा जानकारी दी गई कि डॉ. पंकज गोयल की अध्यक्षता में गठित मूल्यांकन समिति के सदस्यों द्वारा संस्थान के 03 विभागों में हिंदी कार्य का मूल्यांकन किया गया है। अध्यक्ष वि.रा.का.स. द्वारा निर्देश दिए गए कि संस्थान के संभी विभागों में नियमित रूप से मूल्यांकन कार्य किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि संस्थान के विधि अधिकारी को हिंदी कार्यों से संबंधित समितियों में शामिल करते हुए हिंदी कार्यों में उनका सहयोग प्राप्त किया जाए ।

अंत मे सलाहकार (राजभाषा) द्वारा आहुत बैठक में अध्यक्ष वि.रा.का.स. एवं उपाध्यक्ष तथा सम्मिलित सदस्यों के प्रति आभार प्रकट करते हुए प्रशासनिक अनुमति से बैठक संपन्न हुई ।

(मयंक कपूर)
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं
सदस्य सचिव वि.रा.का.स.
एम्स भोपाल

प्रो. (डॉ.) अजय सिंह
कार्यपालक निदेशक एवं
अध्यक्ष वि.रा.का.स.
एम्स भोपाल